Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to ban Crytp currency based on the Dark-Net technology to avoid the illegal activities.

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): धन्यवाद सभापति महोदय, मैं आज एक बहुत महत्वपूर्ण विषय 'क्रिप्टोकरेंसी' के बारे में सदन और इस देश का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । यह उसी तरह की स्थिति है कि जिस तरह से सन् 1600 में हॉलैंड में ट्यूलिपमैनिया हुआ था, ठीक उसी तरह से यह देश अभी क्रिप्टोमैनिया से ग्रसित है । सभी लोग डार्क-नेट, टेक्नोलॉजी, नेट और ब्लॉक-चेन की बात करते हैं । इस सदन में मेरे मित्र श्री शिवकुमार उदासी जी नहीं हैं । वह वर्ष-2013-14 से लगातार इस बात को कहते आ रहे हैं कि डार्क नेट की टेक्नोलॉजी को बंद होना चाहिए । यह केवल ड्रग्स, प्रॉस्टीट्यूशन, टेररिस्ट एक्टिविटी, आर्म्स के लिए उपयोग की जाएगी । पूरी दुनिया इससे परेशान है । आरबीआई लगातार यह बात कह रही है कि इसको पूरी तरह से बैन करना चाहिए । कोई एसेट्स की बात करता है, कोई नेट की बात करता है ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से उनको यह बताना चाहता हूं कि यह जो ब्लॉक-चेन टेक्नोलॉजी है, इसका कोई मालिक नहीं है । जिसका कोई मालिक ही नहीं होगा, तो फिर उसकी एक्टिविटी को आप कैसे नियंत्रित करेंगे? पूरी दुनिया में समस्या पैदा होने वाली है । आरबीआई दो ही काम करती है । वह या तो मॉनीटरी पॉलिसी डिसाइड करती है या करेंसी मैनेजमेंट करती है ।

माननीय सभापति: कृपया सभी माननीय सदस्य एक मिनट की मर्यादा का पालन करें ।

… (व्यवधान)